श्री गुरुचरणकमलेभ्यो नमः

श्रावण मास साधना: August 2019

1) साधना :- शिव साधना (शिव कृपा,धैर्य ,एक समस्त प्रकार से गृहस्थ सुख हेतु)

विधान :- हर सोमवार को श्रावण मास मे करे / सफेद या पीले वस्त्र / पंचोपचार पूजन करे /भस्म का धारण कर पुजा मे प्रयोग मे ले /पूर्व दिशा /रुद्राक्ष माला / पारद या धातु का शिवलिंग.

मंत्र :- || ॐ शं शंभवाय परम शिवाय ॐ शं नमः ||

जप संख्या :- 11 माला जप

****

2) साधना :- वर-लक्ष्मी-साधना

विधान :- अष्टलक्ष्मी या विजय लक्ष्मी यंत्र,चित्र /कमलबीज और सफेद हकीक माला/ पंचोपचार पूजन / बेसन से बना लड्डु , पूर्व या पश्चिम दिशा/ पीत वस्त्र

मंत्र :- || ॐ वर-वरद-विजयलक्ष्म्यै नमः || (कमलबीज माला)
|| ॐ श्रीं महालक्ष्मीं अभयं विजयं देहि विजयाय नमः || (सफेद हकीक माला)

जप संख्या :- 1 कमलबीज माला जप और 5 सफेद हकीक माला जप

3) साधना :- बुधवार साधना (यह साधना लक्ष्मी कृपा, व्यापार उन्नति, ऋण-मोचन,नौकरी प्राप्ती आदि हेतु संपन्न कर सकते है)

विधान :- हर बुधवार को श्रावण मास मे करे / सवर्णाकर्षण गुटिका / लक्ष्मी – कमल बीज माला / पीले वस्त्र पंचोपचार पूजन

मंत्र :- || ॐ ह्रीं ऐं अष्टलक्ष्म्यै धन धान्य समृद्धि देहि-देहि ऋण-मोचन व्यापारोन्नति प्राप्त्यर्थं ह्रीं ऐं महलक्ष्म्यै नमः ||

जप संख्या :- 11 माला जप

****

4) साधना :- स्थिर लक्ष्मी साधना

विधान :- श्रावण मास के हर शुक्रवार को यह साधना कि जाति हैं | प्रथम पारद या अन्य धातु निर्मित शिवलिंग कि पूजा करे | बाद में शिवजि के सामने श्रीं यंत्र (पारद या और कोई धातु निर्मित) स्थापित कर , उसकी पूर्ण पूजा करे | लिंग से दक्षिण ओर दो रुद्राक्ष और उत्तर में दो गोमती चक्र स्थापित करे|

भं भैरवाय नमः (रुद्राक्ष)
ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं फट् (गोमती चक्र)

ऊपर दिये मंत्रोसे रुद्राक्ष एवंचक्र कि पूजा करे बाद में कमलबीज माला से नीचे दिये मंत्र का जाप करे

मंत्र :- || ॐ ह्रीं स्थिर अष्टलक्ष्म्यै स्वाहा ||

जप संख्या :- 21 माला जप

यह विधान तीन या पाँच शुक्रवार करे | श्रावण मास के उपरान्त गोमती चक्र और रुद्राक्ष को लाल वस्त्र में बांध कर किसी शिव मंदिर , तालाब या लाशय में डाल दे | विसर्जित करे | हर शुक्रवार अंत में शिव मंत्र कि एक माला अवश्य करे |

मंत्र :- || ॐ नमःशिवाय ||

शिव मंत्र रुद्राक्ष माला से ही जाप करे | शिव लिंग और श्री यंत्र को घर में पूजा स्थान में या तिजोरी में स्थापित कर दे |

5) साधना :- भैरव रक्षा साधना (स्वयं एवं परिवार रक्षा हेतु यह साधना कर सकते है |)

विधान :- रात्री कालीन साधना / लाल वस्त्र / भैरव यंत्र / मूंगा माला / जिलेबी या तेल मे बना भोग(तेल-वडा) /सिंदूर का तिलक करे और पंचोपचार पूजन कर साधना आरंभ करे | शिव चित्र और गुरु यंत्र अवश्य साथ मे राखे |

मंत्र :- || ॐ भैरव,भयंकर हर,मां रक्ष रक्ष हूं फट् स्वाहा ||

जप संख्या :- 21 माला जप